दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-२९ वा | मंगळवार १४ अक्टूबर २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

भारत की बड़ी सफलता: अफ़ग़ानिस्तान ने लिथियम, कॉपर, गोल्ड और रेयर मिनरल्स में निवेश के लिए भारत को बुलाया

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता:
अफ़ग़ानिस्तान की तालिबान सरकार ने भारत के प्रति ऐतिहासिक रुख़ अपनाते हुए भारत को अपने खनिज (Minerals) और ऊर्जा (Energy) क्षेत्र में निवेश के लिए औपचारिक आमंत्रण दिया है। तालिबान के विदेश मंत्री अमीर ख़ान मुत्ताक़ी ने कहा है कि अफ़ग़ानिस्तान भारत को एक भरोसेमंद साझेदार मानता है और हम चाहते हैं कि भारत हमारे खनन और ऊर्जा क्षेत्र में दीर्घकालिक निवेश करे।

अफ़ग़ानिस्तान में लिथियम, कॉपर, गोल्ड, आयरन, कोबाल्ट और रेयर अर्थ मिनरल्स जैसी मूल्यवान धातुओं का विशाल भंडार मौजूद है, जिनकी अनुमानित कीमत १ ट्रिलियन डॉलर से अधिक आँकी गई है। ये वही संसाधन हैं जिन पर पहले अमेरिका और चीन की नज़र थी, लेकिन अब तालिबान शासन के बाद इन तक पहुँच का रास्ता तालिबान-नियंत्रित अफ़ग़ानिस्तान से होकर ही जाता है।

सबसे अहम बात यह है कि अफ़ग़ानिस्तान ने अमेरिका को बाजू में रखते हुए भारत की ओर हाथ बढ़ाया है। यह भारत की संतुलित और प्रभावी विदेश नीति की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। मौजूदा अंतरराष्ट्रीय हालात में यह कदम इस बात का संकेत है कि भारत न केवल दक्षिण एशिया बल्कि मध्य एशिया में भी एक विश्वसनीय और स्थिर शक्ति के रूप में उभर रहा है।

भारत ने अफ़ग़ानिस्तान में विकास कार्यों की लंबी परंपरा निभाई है - सलमा डैम, अफ़ग़ान संसद भवन, ज़रंज-दिलाराम हाईवे जैसी परियोजनाएँ भारत की विकासशील नीति का प्रमाण हैं। तालिबान शासन आने के बाद भी भारत ने मानवीय सहायता - गेहूं, दवाइयाँ और राहत सामग्री - भेजना जारी रखा।

तालिबान सरकार का यह रुख़ न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह भारत की कूटनीतिक सफलता (Diplomatic Success) को भी दर्शाता है। इससे भारत को मध्य एशिया और खाड़ी देशों तक नए आर्थिक गलियारे (Economic Corridors) खोलने का अवसर मिलेगा।

एसटी कर्मचारियों के लिए ६ हजार का अनुदान और १२,५०० रुपये दिवाली अग्रिम-उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

जमीर काज़ी

मुंबई: बार-बार के बकाया वेतन से परेशान लगभग ८५ हजार एसटी (राज्य परिवहन निगम) के कर्मचारियों और अधिकारियों को दिवाली के मौके पर कुछ राहत मिलने वाली है। त्यौहार के उपलक्ष्य में उन्हें ६ हजार रुपये सानुग्रह अनुदान (गिफ्ट ग्रांट) दिया जाएगा। साथ ही, वेतन वृद्धि का बकाया हिस्सा वेतन के साथ देने के लिए महामंडल को प्रति माह ६५ करोड़ रुपये का अनुदान देने और पात्र कर्मचारियों को दिवाली अग्रिम के रूप में १२,५०० रुपये देने का निर्णय उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को

घोषित किया।

एसटी की सभी कर्मचारी संघटनाओं और कृती समिति की बैठक सह्याद्री अतिथि गृह में हुई। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, उपमुख्यमंत्री के प्रधान सचिव नवीन सोना, वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव ओमप्रकाश गुप्ता, परिवहन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय सेठी, एसटी महामंडल के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. माधव कुसेकर, सहसचिव राजेंद्र होळकर तथा विभिन्न कर्मचारी संघों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस दौरान शिंदे ने कहा, राज्य में अतिवृष्टि (भारी वर्षा) के कारण कठिन परिस्थिति उत्पन्न हुई है। सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है। एसटी कर्मचारियों की दिवाली भी मिठास भरी हो, इसीलिए सरकार ने यह निर्णय लिया है। साथ ही, एसटी महामंडल को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना आवश्यक है। एसटी निगम की आय बढ़ाने के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं। इसके लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत एसटी महामंडल की संपत्तियों का विकास किया जाएगा, उन्होंने कहा।

सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को दिवाली गिफ्ट के रूप में ६ हजार रुपये देने के लिए सरकार ने लगभग ५१ करोड़ रुपये की राशि मंजूर की है। इसके अलावा वर्ष २०२० से २०२४ के बीच की वेतन वृद्धि के बकाया को कर्मचारियों को उनके मासिक वेतन के साथ देने का निर्णय लिया गया है, जिसके लिए सरकार ने ६५ करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

साथ ही, जो पात्र कर्मचारी त्यौहार अग्रिम (फेस्टिवल एडवांस) लेना चाहते हैं, उन्हें पूर्व की तरह १२,५०० रुपये दिए जाएंगे। इसके लिए एसटी महामंडल ने सरकार से ५४ करोड़ रुपये की मांग की है, ऐसी जानकारी परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने दी।

नगरपरिषदों और नगरपंचायतों की प्रारूप मतदाता सूची पर आपत्तियों और सूचनाओं के लिए १७ अक्टूबर तक समय बढ़ाया

विशेष प्रतिनिधि, मुंबई:

राज्य के नगरपरिषदों और नगरपंचायतों के सदस्य पद तथा सीधे अध्यक्ष पद की सार्वजनिक चुनावों के लिए प्रभागवार प्रारूप मतदाता सूची पर आपत्तियों और सूचनाओं के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने समय सीमा १७ अक्टूबर तक बढ़ा दी है।

इन चुनावों के लिए प्रभागवार प्रारूप मतदाता सूची ८ अक्टूबर को प्रकाशित की गई थी। अब इस पर आपत्तियां और सूचनाएं १३ अक्टूबर की बजाय १७ अक्टूबर २०२५ तक दाखिल की जा सकेंगी।

साथ ही, प्रभागवार अंतिम मतदाता सूची २८ अक्टूबर की बजाय ३१ अक्टूबर २०२५ को प्रकाशित की जाएगी।

भाजपा को पंडित नेहरू से एलर्जी होने के कारण मेट्रो स्टेशन के नाम से नेहरू का नाम हटाया गया

जमीर काज़ी

मुंबई:

वरळी क्षेत्र में नेहरू साइंस सेंटर के नाम से परिचित इस मेट्रो स्टेशन का नाम मुंबई मेट्रो ने बदलकर केवल 'साइंस सेंटर' कर दिया है। भाजपा को नेहरू के नाम से एलर्जी होने के कारण उन्होंने जानबूझकर यह नाम हटाया। यह कदम अत्यंत आपत्तिजनक माना जा रहा है और भारत के पहले प्रधानमंत्री तथा विश्व प्रसिद्ध नेता भारत रत्न पंडित जवाहरलाल नेहरू का बड़ा अपमान है।

मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष खा. वर्षा गायकवाड ने सोमवार को चेतावनी दी कि इस मेट्रो स्टेशन का नाम नेहरू साइंस सेंटर रखा जाए, अन्यथा कांग्रेस अपनी पद्धति से कार्रवाई करेगी।

पत्रकार परिषद में गायकवाड ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, मुंबई मेट्रो ३ के ट्वीट में भी 'डिस्कवरी हब्स' की सूची में इस स्थान का नाम नेहरू साइंस सेंटर के रूप में दिखाया गया है, लेकिन स्टेशन के नाम से नेहरू का नाम हटा दिया गया है। भाजपा ने नेहरू का नाम हटाकर संकुचित, बदनियत और असहिष्णु दृष्टिकोण दिखाया है। दिल्ली में नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी का नाम बदलकर 'प्राइम मिनिस्टर्स म्यूजियम' किया गया, नेहरू युवा केंद्र संगठन का नाम बदलकर 'माई भारत' किया गया और अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल स्टेडियम का नाम बदलकर 'नरेंद्र मोदी स्टेडियम' रख दिया गया।

वर्षा गायकवाड ने आगे कहा, भारत को आधुनिक और वैज्ञानिक दृष्टि देने में नेहरू का योगदान अतुलनीय है। नेहरू का कर्तृत्व इतना महान और अडिग है कि भाजपा कितनी भी नकारात्मकता दिखाए या उनके चरित्र हनन का प्रयास करे, यह प्रयास व्यर्थ होंगे। भाजपा की यह विकृत मानसिकता केवल इतिहास मिटाने का काम नहीं करती, बल्कि देश की प्रतिष्ठा और अंतरराष्ट्रीय छवि को भी नुकसान पहुंचाती है।

अण्णा भाऊ साठे के साहित्य में समाज का मन बदलने की ताकत है-डॉ.सौ.दीपाताई क्षीरसागर

मुक्ता साळवे राष्ट्रीय आदर्श शिक्षक पुरस्कार से ६ प्राध्यापकों का सम्मान, जबकि आदर्श अस्पताल पुरस्कार से डॉ. रोहित तोष्णीवाल हुए सम्मानित

बीड़ (प्रतिनिधि):

द इंग्लिश एज्युकेटर्स सोसायटी, आंबेजोगाई द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मुक्ता साळवे राष्ट्रीय आदर्श शिक्षक पुरस्कार प्रदान कर देशभर के ६ प्राध्यापकों को सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार का उद्देश्य आदर्श शिक्षकों के कार्य को सार्वजनिक मान्यता देना है, यह जानकारी सोसायटी के संयोजक प्रा. रमेश लांडगे ने दी।

मुक्ता साळवे राष्ट्रीय पुरस्कार का स्वरूप शाल, ट्रॉफी और प्रमाणपत्र का था। यह पुरस्कार नवगण शिक्षण संस्थान की सहसचिव, डॉ. सौ. दीपाताई भारतभूषण क्षीरसागर के हाथों प्रदान किया गया।

पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्राध्यापकों में शामिल हैं -

प्रा. शबीबा खान (भोपाल), प्रा. प्रल्हाद मगरे (धुले), प्रा. धनंजय साठे (पंढरपुर), प्रा. अरुणा पोटे (सांगली), प्रा. संजय तुपे (शिरूर कासार), प्रा. कृष्णा गायकवाड (मुक्ताईनगर) और प्रा. खंडू वाघमारे (शिरूर कासार)।

इसके साथ ही, बार्टी में कार्यरत आरती जाधव तथा ठाणे की

सामाजिक कार्यकर्ता निवेदिता जाधव को आदर्श सामाजिक कार्यकर्ता पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इसी प्रकार, बीड़ के स्वामी विवेकानंद मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल को आदर्श अस्पताल पुरस्कार देकर डॉ. रोहित तोष्णीवाल को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

अध्यक्षीय समारोप करते हुए डॉ. दीपाताई क्षीरसागर ने कहा कि -

समाज का मन बदलने की ताकत अण्णा भाऊ साठे के साहित्य में देखने को मिलती है। अण्णा भाऊ का साहित्य न केवल जीने की प्रेरणा देता है, बल्कि जीवन से प्रेम करना भी सिखाता है।

इस अवसर पर विचार मंच पर सामाजिक कार्यकर्ता अशोक तांगडे और दैनिक भारत की तामीर के संपादक काजी मखदूम उपस्थित थे।कार्यक्रम का सूत्रसंचालन प्रा. बेबी अफरोज़ सैयद ने किया और आभार प्रदर्शन प्रा. रमेश लांडगे ने व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शोध छात्र, प्राध्यापक, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार तथा स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

बीड़ में कोशीश फाउंडेशनने कि शिक्षा क्षेत्र में अहम शुरुआत

बीड़: संवाददाता

कोशीश फाउंडेशन, बीड़ द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में समाज में जागरूकता बढ़ाने और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की गई। डॉ. फेरोज के नेतृत्व में किंग्स पैलेस हाल, तेलगाव रोड पर आयोजित इस बैठक में शहर की सभी जानी-मानी हस्तियां उपस्थित रहीं। बैठक की अध्यक्षता श्री शफीक हाशमी ने की।

बैठक में दो घंटे तक चर्चा और विचार-विमर्श के बाद शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में तय किया गया कि:

इस महीने ही अगली आम बैठक आयोजित की जाएगी।

सप्ताह में एक बार घर-घर सर्वेक्षण किया जाएगा, ताकि बच्चों और उनके परिवारों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ सके।

चयनित स्कूलों में प्रत्येक सप्ताह करियर मार्गदर्शन बैठक आयोजित की जाएगी।

शिक्षा के महत्व को समझाने के लिए समाज में नुक्कड़ सभाओं का आयोजन किया जाएगा।

दसवीं कक्षा के छात्रों के लिए किंग्स पैलेस में एक भव्य करियर मार्गदर्शन बैठक आयोजित की जाएगी।

पहला पुस्तकालय और अध्ययन केंद्र खोलने के लिए उपयुक्त भूमि और स्थान की तलाश शुरू की जाएगी।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि कोशीश फाउंडेशन का अस्थायी कार्यालय मैक्सक्योर अस्पताल में स्थापित किया जाएगा, ताकि संगठन की गतिविधियां सुचारू रूप से संचालित हो सकें।

डॉ. फेरोज और अन्य सदस्यों ने कहा कि यह पहल बीड़ में शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव और सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम है। उनका उद्देश्य बच्चों और युवाओं तक सही मार्गदर्शन और संसाधन पहुँचाना है, जिससे वे अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार हो सकें।

कोशीश फाउंडेशन का यह प्रयास न केवल शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देगा बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में भी सहायक होगा।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

मुंबई में शरद पवार की अध्यक्षता में एनसीपी-एसपी की उच्च स्तरीय बैठक

स्थानीय निकाय, स्नातक और शिक्षक क्षेत्रों के चुनावों के लिए नई रणनीति, संगठनात्मक एकता और जन संपर्क पर जोर

मुंबई: नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) ने आगामी स्थानीय निकायों, स्नातक और शिक्षक चुनाव क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए अपनी संगठनात्मक स्थिति को मजबूत करने के लिए आज मुंबई में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की। इस बैठक की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता शरद पवार ने की। उन्होंने न केवल चुनावी रणनीति पर चर्चा की बल्कि कार्यकर्ताओं को जनसंपर्क बढ़ाने का निर्देश भी दिया।

राज्य के विभिन्न जिलों से सांसद, विधायक और पार्टी के फ्रंटल विंग के प्रभारी बड़ी संख्या में बैठक में शामिल हुए। यह बैठक पार्टी के राज्य कार्यालय में हुई, जिसमें स्थानीय निकायों के चुनावों के अलावा संगठनात्मक कमजोरियों, नए पदाधिकारियों की नामांकन प्रक्रिया और चुनावी तैयारियों का विस्तृत विश्लेषण किया गया। शरद पवार ने स्पष्ट किया कि यह समय संगठन को मैदान में उतारने का है और जनता से मजबूत संबंध ही हमारी असली ताकत है।

बैठक में छत्रपति संभाजीनगर और पुणे के स्नातक एवं शिक्षक क्षेत्रों की राजनीतिक स्थिति का भी विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। शरद पवार ने पार्टी के विभिन्न विंग्स, विशेष रूप से शिक्षक और स्नातक सेल के प्रतिनिधियों से सुझाव लिए और कहा कि शिक्षा क्षेत्र हमेशा जागरूकता और सेवा का केंद्र रहा है। अगर हम उनके वास्तविक मुद्दों को विधानसभा में उठाएंगे तो जनता का विश्वास स्वतः ही हासिल होगा।

बैठक के दौरान संगठनात्मक रिपोर्टों

के अलावा चुनावी क्षेत्रों में जनता की समर्थन संख्या भी प्रस्तुत की गई। विभिन्न जिलों के प्रतिनिधियों ने शरद पवार के सामने अपने क्षेत्रों की राजनीतिक स्थिति रखी और कहा कि जनता अब भी एनसीपी को एक सक्षम और अनुभवी नेतृत्व के रूप में देखती है। शरद पवार ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल चुनाव जीतना नहीं बल्कि जनता की समस्याओं को उनकी भाषा में समझना और समाधान के लिए खड़ा होना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि वे चुनावी अभियान के दौरान शिक्षा, कृषि, रोजगार, स्वास्थ्य और शहरी विकास जैसे रोजमर्रा के मुद्दों पर ध्यान दें।

शरद पवार ने बैठक के दौरान यह भी जोर दिया कि पार्टी की आंतरिक एकता को हर हाल में बनाए रखा जाए। उन्होंने कहा कि मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन हमारा उद्देश्य एक ही है–महाराष्ट्र की जनता का विश्वास जीतना। शरद पवार ने स्पष्ट किया कि यह लड़ाई सिद्धांतों की है, सत्ता की नहीं।

बैठक के अंत में सुप्रिया सुळे ने कहा कि आने वाले दिनों में पार्टी की महिला, युवा और किसान शाखाओं को भी सक्रिय किया जाएगा ताकि पार्टी का अभियान हर वर्ग तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि एनसीपी शरद पवार समूह अपनी नीतियों, पारदर्शी राजनीति और अनुभवी नेतृत्व के आधार पर राज्य स्तर पर एक मजबूत विकल्प के रूप में उभर रही है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, आने वाले हफ्तों में राज्य के सभी जिलों में संगठनात्मक बैठकों की श्रृंखला शुरू की जाएगी। इन बैठकों में प्रत्येक जिले में चुनावी समितियां बनाई जाएंगी और मतदाता संपर्क अभियान को और अधिक तेज किया जाएगा।

बैठक में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुळे, राज्य अध्यक्ष शशिकांत शिंदे, विधानसभा में पार्टी के नेता जेंट पटेल, पूर्व मंत्री राजेश टोपे, बाला साहेब पटेल, जे प्रकाश दांडेगांवकर, पार्टी के जनरल सेक्रेटरी और सेल इंचार्ज रोहित पवार, सांसद डॉक्टर अमोल कोल्हे, भास्कर भागरे, निलेश लंके, धिरीशेल मोहिते पटेल, बजरंग सोनवणे, विधायक संदीप खीरा सागर, बापू साहेब पथारे, अत्तम राव जानकर और सुनील भोसार समेत पार्टी के सभी फ्रंटल सेल के राज्य स्तरीय पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

उद्योग क्षेत्र में महाराष्ट्र को हमेशा 'नंबर १' बनाए रखने के लिए हरसंभव प्रयास-उद्योग मंत्री डॉ. उदय सामंत

महाराष्ट्र राज्य निर्यात पुरस्कार वितरण

मुंबई, १३ अक्टूबर २०२५:

उद्योग मंत्री डॉ. उदय सामंत ने कहा कि महाराष्ट्र को उद्योग क्षेत्र में हमेशा शीर्ष पर बनाए रखने के लिए राज्य सरकार उद्यमियों को सभी संभव सुविधाएं और सहयोग देने के लिए तैयार है।

२०२२-२३ और २०२३-२४ के लिए महाराष्ट्र राज्य निर्यात पुरस्कार २०२५ का वितरण उद्योग मंत्री डॉ. उदय सामंत के हस्ते किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री के प्रधान सचिव नवीनकुमार सोना, उद्योग सचिव डॉ. पी. अन्बळगन, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव एम. देवेंद्र सिंह, उद्योग विकास आयुक्त दीपेंद्रसिंह कुशवाह और अतिरिक्त विकास आयुक्त वैभव वाघमारे सहित पुरस्कार विजेता उद्यमी उपस्थित थे।

डॉ. सामंत ने कहा कि राज्य की निर्यात दर को दस गुना बढ़ाने के लिए १२ नई नीतियां बनाई जा रही हैं, जिनमें एवीजीसी, जीसीसी, बांस, चमड़ा, एयरोस्पेस, इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी नीतियां शामिल हैं। इन नीतियों से उद्यमियों को लाभ मिलेगा।

उन्होंने बताया कि दावोस, जर्मनी और जापान जैसी विदेशी यात्राओं में किए गए समझौतों से महाराष्ट्र में भारी निवेश बढ़ा है। उदाहरण के लिए, दावोस में पहले वर्ष में १.७० लाख करोड़, दूसरे वर्ष में ७ लाख करोड़ और तीसरे वर्ष में १६ लाख करोड़ रुपये के समझौते हुए, जिनमें ८०% का कार्यान्वयन किया गया।

उद्योग मंत्री ने कहा कि पुरस्कार स्वीकार करते समय उद्यमियों को यह ध्यान रखना चाहिए कि वे महाराष्ट्र और देश की सेवा कर रहे हैं और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार सृजन पर ध्यान देना चाहिए। उदाहरण के लिए, जेम्स और ज्वेलरी क्षेत्र के उद्यमियों ने रत्नागिरी में प्रशिक्षण केंद्र शुरू कर स्थानीय युवाओं को कम से कम ४० हजार रुपये वेतन देने का काम किया।

उन्होंने यह भी कहा कि उद्यम स्थापित करने के बाद स्थानीय रोजगार और भूमि अधिग्रहण से उत्पन्न कानूनी और प्रशासनिक समस्याओं का समाधान उद्यमियों और उद्योग संगठनों को नेतृत्व देते हुए करना चाहिए। मैत्री पोर्टल और मिलाप प्रणाली से उद्यमियों के कामों को तेजी और पारदर्शिता मिली है।

पिछले तीन वर्षों में मुख्यमंत्री रोजगार निर्माण योजना के तहत ५७,००० नए उद्यमी तैयार किए गए हैं। अब 'रेड कार्पेट' नीति के कारण बड़ी निवेश केवल महाराष्ट्र में हो रही है। पिछले दो वर्षों में १.५ लाख बेरोजगार युवाओं को उद्यमियों ने रोजगार दिया।

डॉ. सामंत ने यह भी कहा कि उद्योगों के लिए बनाई जा रही नई नीतियों का लाभ उद्यमियों तक कैसे पहुंचे, इसके लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर 'एक्सपोर्ट कन्वर्शन बुकलेट' का प्रकाशन भी किया गया और रत्नागिरी, नागपुर, गडचिरोली और लातूर जिलों के जिल्हाधिकारी को सम्मानित किया गया।

मुख्य पुरस्कार विजेताओं की सूची:

२०२२-२३ – सुवर्ण पदक: अपार इंडस्ट्रिज, टलस एक्सपोर्ट, बीडीएच इंडस्ट्रिज, डी डेकोर एक्सपोर्ट, डिसन ग्रो टेक, इलकॉम इंटरनॅशनल, इलेक्ट्रोफोकस इलेक्ट्रिकल्स, ग्लोब कोट्यम, हिकल, जैन इरिगेशन सिस्टम, जिलानी मरीन प्रॉडक्ट्स, ज्योति स्टील इंडस्ट्रिज, केन इंटरप्राईज़ेस, कोहिनूर रोप्स, कोह्लर पॉवर इंडिया, लाहोटी ओव्हरसीज, मोर्या इंडस्ट्रिज, न्यूट्रिच फूड, सहयोग एक्सपोर्ट, श्री वेंकटेश फिलॅमेंट्स, सिमोसिस इंटरनॅशनल, सुप्रिया लाइफ सायंसेस, झेनिथ इंडस्ट्रियल रबर प्रॉडक्ट्स।

रौप्य पदक: कनेक्टवेल इंडस्ट्रियल, कुपिड लिमिटेड, इंटरनॅशनल फूटस्टेप्स, कृष्णा एंटीऑक्सिडेंट, लाइफलाइन मेडिकल डिवाइस, मेनन एक्सपोर्ट, रेमंड युको डेनिम, सिनर्जी लाइफस्टाइल।

प्रमाणपत्र विजेताओं में: मिटी लेदर इंटरनॅशनल, क्रिस्टल प्लास्टिक एंड मेटलाइजिंग।

२०२३-२४ – सुवर्ण पदक: अपार इंडस्ट्रिज, असवा इन्सुलेशन, चौधरी इंटरनॅशनल, कुपिड लिमिटेड, इलकॉम इंटरनॅशनल, इलेक्ट्रोफोकस, जी.एस. एक्सपोर्ट, ग्लोब कोट्यम, इंटरनॅशनल फूटस्टेप्स, जब्स इंटरनॅशनल, जैन इरिगेशन सिस्टम, जिलानी मरीन प्रॉडक्ट्स, ज्योति स्टील, कोह्लर पॉवर इंडिया, लाहोटी ओव्हरसीज, लेबेन लैबोरटरीज, लाइफलाइन मेडिकल, मोर्या इंडस्ट्रिज, नावकर फॅब, सिमोसिस इंटरनॅशनल, सुप्रिया लाइफ सायंसेस, सूर्यालक्ष्मी एंड कॉटन मिल्स, झेनिथ इंडस्ट्रियल रबर।

रौप्य पदक: अमिटी लेदर, दलाल प्लास्टिक, दोधिया सिंथेटिक, फुगो टेक्स, गोदावरी उद्योग, एचडी फायर प्रोटेक्ट, कृष्णा एंटीऑक्सिडेंट, ओम श्री इंटरनॅशनल, श्रीकेम लैबोरेटरीज।

प्रमाणपत्र विजेताओं में: डी डेकोर एक्सपोर्ट, ले मेरिट।

मुदस्सीर काज़ी के व्यक्तित्व विशेष लेख और ॲड.इकबाल शेख के उत्कृष्ट निबंध को सम्मान

औसा (म मुस्लिम कबीर) : महाराष्ट्र सरकार के १०० दिनों के ७-कदम कार्ययोजना के अंतर्गत नगर परिषद औसा द्वारा अप्रैल से मई माह तक विश्व वसुंधरा अभियान चलाया गया। इस अभियान में वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, प्लास्टिक मुक्ति जन जागरूकता और जल संरक्षण के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

इसी क्रम में विद्यार्थियों और खुले समूहों के लिए निबंध

प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में स्वच्छता का महत्व और पृथ्वी को बचाना आज की आवश्यकता विषय पर एड. इकबाल शेख द्वारा लिखा गया निबंध प्रथम श्रेणी में उत्कृष्ट ठहराया गया। और नगर परिषद के मुख्याधिकारी मा. मंगेश शिंदे द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।साथ ही, एड. इकबाल शेख द्वारा लिखा गया एक प्रामाणिक और दिल से प्रेम करने वाला व्यक्तित्व – मुदस्सीर काज़ी शीर्षक का व्यक्तित्व विशेष लेख भी सम्मानित किया गया। इस लेख की फ्रेम नगर परिषद के मुख्याधिकारी मा. मंगेश शिंदे और एड. इकबाल शेख के हाथों मुदस्सीर काज़ी को प्रदान की गई।

इस अवसर पर संपादक जाफर पटेल और बेलेश्वर कल्याणी भी उपस्थित थे।

अजित दादा के पक्ष की भुमिका धर्मनिरपेक्ष फिर पक्ष का वो विधायक की भाषा हिंदुत्व की इस पर लगाम कौन लगाएगा?

पक्ष के मुस्लिम नेता मौन तोड़ो दबाव गट बनावो समाज की मांग

एम एजाज जिंतूरकर

जिंतूर:-- महाराष्ट्र में अजित दादा गट का वो विधायक खुद को हिंदुत्ववादी समज कर हमेशा ही मुस्लिम समाज के खिलाफ अनापशनाप भाषा का प्रयोग कर रहा है! वो जातिय तेढ निर्माण करनें का काम कर रहा है! दादा आप उस विधायक की पाठराख कर रहे क्या? ऐसा जनता में बोला जा रहा है? दादा आपका का पक्ष सर्व धर्म निरपेक्ष और पोरोगामी विचारसरणी रखने वाला पक्ष है! फिर आप के पक्ष में ये सड़कें विचार का विधायक कैसा? छत्रपती शिवाजी महाराज ने कभी भी जातीवाद किया नहीं! उनके फौज में मुस्लिम समाज के फौजी भी थे! उनके अंगरक्षक ये मुस्लिम समाज के थें! ये वो घटीया विचार धारा के विधायक को पता नहीं है क्या? उसने पहले इतिहास पढ़ना चाहिए! ये दिमाग मे रखना चाहिए! भारत देश ये भारतरत्न डॉ बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान पर चलने वाला देश है! महाराष्ट्र राज्य में अठरापगड जाती धर्म के लोक रहेते है! यहां पर सभी धर्म के लोक एक दुसरे के सुख दु:ख में एक दुसरे के काम आते हैं! ईद बरात पर दीपावली दशहरे पर एक दुसरे को शुभकामनाएं देते हैं! मगर हर चुनाव में जानबूझकर द्वेष फैलाने का काम करते हैं! राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजित पवार गट के मुस्लिम नेता पक्ष सुप्रीमो अजित पवार पर दबाव डाल कर ऐसे जातीवादी हिंदुत्व विचार धारा रखने वाले नेताओं पर कड़क कारवाई करने के दबाव बनाया जाये ऐसी मांग मुस्लिम समाज की ओर से ज़ोर से पकड रही है!

डॉ.साजिद अली बने सर्वधर्म ख्वाजा मंदिर व सूफी इस्लामिक बोर्ड के अमरावती ज़िला अध्यक्ष

सूफी विचारधारा और मानवता के संदेश के अग्रदूत

जलगांव (अक़िल ख़ान ब्यावली)

मानवता, प्रेम और सूफी परंपरा की सुगंध फैलाने वाले समाजसेवक एवं ए.पी.जे.अब्दुल कलाम ह्यूमनिटी एंड पीस फाउंडेशन के संस्थापक डॉ.साजिद अली को सर्वधर्म ख्वाजा मंदिर एवं सूफी इस्लामिक बोर्ड ने अमरावती ज़िला अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है.

यह नियुक्ति बोर्ड के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मा.श्री डॉ.सूफी जैन सर द्वारा उनके दीर्घकालिक सामाजिक योगदान और सूफी मार्ग के प्रति समर्पण को देखते हुए की गई.डॉ.साजिद अली ने वर्षों से सर्वधर्म समभाव,सांप्रदायिक सौहार्द,और मानव सेवा के क्षेत्र में निस्वार्थ भाव से कार्य किया है. उनके कार्यों में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की प्रेरणा स्पष्ट झलकती है, शांति, करुणा और भाईचारे के उस संदेश की,जो आज के समाज को जोड़ने की शक्ति रखता है.वे हज़रत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती अजमेरी रह.जैसे महान सूफी संतों की शिक्षाओं से गहराई से प्रभावित हैं और उन्हीं के प्रेम, सेवा और समानता के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का सतत प्रयास कर रहे हैं.

डॉ.साजिद अली ने अपनी नियुक्ति पर कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा,मैं ख्वाजा गरीब नवाज़ के प्रेम और मानवता के संदेश को समाज के हर कोने तक पहुंचाने का प्रयास करूंगा सूफीवाद का सार इंसानियत' है और यही मेरे जीवन का उद्देश्य रहेगा.उनकी नियुक्ति से क्षेत्र में सर्वधर्म एकता, भाईचारे और सूफी परंपरा के मूल्यों को नई दिशा मिलने की उम्मीद है. गांववासियों, समाजसेवियों और विभिन्न धार्मिक नेताओं ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह नियुक्ति समाज में शांति, प्रेम और एकता की ज्योति को और प्रखर करेगी.सूफी संतों की वाणी को स्मरण करते हुए कहा जा सकता है. जो दिलों को जोड़ दे, वही सच्चा धर्म; जो नफ़रत मिटा दे,वही सच्ची इबादत.डॉ.साजिद अली की यह ज़िम्मेदारी केवल एक पद नहीं, बल्कि सूफी परंपरा की उस मशाल का प्रतीक है जो इंसानियत के रास्ते को रौशन करती है.

शकील आजमी को मिला बेस्ट सेलर अवॉर्ड

१३ अक्टूबर दिल्ली, संवाददाता

देश के मशहूर शायर, फिल्मी गीतकार एवं साहित्यकार श्री शकील आज़मी को रामायण और जंगल पर आधारित उनकी किताब बनवास के लिए ७ सितारा होटल ली – मेरेडियन में भारत के गृहमंत्री आदरणीय श्री अमित शाह जी के हाथों दैनिक जागरण ग्रुप की तरफ से बेस्ट सेलर अवॉर्ड से नवाज़ा गया, शकील आज़मी की ये किताब वनवास २०२३ में छपी थी, तब से अब तक तीसरे साल में भी बेस्ट सेलर के टॉप १० में बनी हुई है।

शकील आजमी उत्तर प्रदेश के जिला आजमगढ़ के मूल निवासी हैं लेकिन पिछले २५ सालों से

वह मुंबई में रह रहे हैं, उनकी अब तक उर्दू में ८ किताबें और हिन्दी में ५ काव्य संग्रह आ चुके हैं, शकील आज़मी बेस्ट सेलर अवॉर्ड, गुजरात गौरव अवार्ड, कैफी आज़मी अवॉर्ड, एस डब्ल्यू ए अवार्ड, झारखंड नेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड

और एफ ओ आई ओ अवॉर्ड समेत लगभग २५ अवॉर्ड हासिल कर चुके हैं, यह तमाम अवार्ड उन्हें साहित्य और फिल्म जगत से हासिल हुए हैं।

शकील आजमी का फिल्मी दुनिया में भी गीतों के माध्यम से बड़ा योगदान है, वो अब तक ५५ फिल्मों एक दर्जन से ज्यादा वेब सीरीज, टीवी शोज, जिंगल्स,और प्राइवेट एल्बम के लिए सैकड़ों गीत लिख चुके हैं, उनकी कलम से निकले कई गीत चर्चा में भी रहे और बहुत लोकप्रिय भी हुए हैं उनकी कुछ प्रमुख फिल्मों के नाम हैं मुल्क, आर्टिकल१५, थप्पड़, शादी में ज़रूर आना, ज़िद, ज़हर, मदहोशी, १९२० एविल रिटर्न्स,नज़र, १९२१ आदि।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com